Parimal Nathwani
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Member:
Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law & Justice
Consultative Committee, Ministry of Commerce and Industry
Permanent Special Invitee:
Consultative Committee, Ministry of External Affairs

सत्यमेव जयते

B/107, Harmu Housing Colony,
P. O. Doranda,
P. S. Argora,
Ranchi - 834 012
Ph. : 0651-2244144
e-mail : parimal.nathwani@sansad.nic.in

प्रेस विज्ञप्ति

झारखण्ड का 80,716 मिलियन टन कोयला भण्डार भारत का सर्वाधिक : राज्य में सर्वाधिक 177 कोयला खानें परिचालन अंतगर्त

राज्य सभा में कोयला मंत्री का सांसद परिमल नथवाणी को उत्तर

रांची : जुलाई 15, 2014: झारखण्ड में विपुल कोयला भंडारों के बावजूद राज्य के बिजली संकट से परेशान राज्य सभा सांसद श्री परिमल नथवाणी ने कोयला खदानों एवं कोयला भंडारों के विषय में कई प्रश्न सदन में इन दिनों उठाये। केंद्रीय कोयला, विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा सदन के पटल पर रखे गए। निवेदन के अनुसार, मार्च 31, 2014 को देश में प्रचालनरत कोयला खानों की कुल संख्या 566 थी जिनमें से सर्वाधिक 177 कोयला खानें केवल झारखंड की थीं। यद्यपि इन आंकड़ों में वे खानें भी शामिल हैं जिनमें उत्पादन नहीं हो रहा है, परंतु बंद भी नहीं हुई हैं और जो निर्माणाधीन हैं।

मंत्री महोदय के ब्योरे के मुताबिक झारखंड का कोयला भंडार देश में सर्वाधिक है। अप्रैल 1, 2014 की स्थिति में, झारखंड का 80,716 मिलियन टन कोयला भंडार देश का सर्वाधिक है। वर्ष 2013-14 के दौरान देश के विभिन्न कोयला क्षेत्रों से कुल 565.64 मिलियन टन कोयला निकाला गया।

श्री नथवाणी ने अन्य प्रश्नों के जरिए देश में विद्युत उत्पादन के लिए घरेलू कोयले के उत्पादन के स्थान पर सरकार द्वारा कोयले के आयात को बढ़ावा देने के कारणों की जानकारी मांगी थी। मंत्री जी ने उत्तर में बताया कि घरेलू कोयले की उपलब्धता और अनुमानित मांग के बीच के अंतर को पाटने के उद्देश्य से विद्युत क्षेत्र की आवश्यक्ता की पूर्ति के लिए आयात की योजना की जाती है।

सांसद महोदय ने यह भी पूछा कि क्या यह सच है कि आयातित कोयले के उपयोग से घरेलू कोयले की तुलना में कम 'फ्लाई एश' निकलती है और कोयले के आयात का प्रश्रय लेने का एकमात्र कारण वही है? इसके उत्तर में मंत्री जी ने 'नहीं जी' ऐसा कहा। आपने स्वीकार किया कि वर्तमान में जिन कोयला भंडारों से कोयला निकाला जा रहा है और जिनमें से कोयला नहीं निकाला जा रहा उन सभी कोयला भंडारों में उत्खनन बढ़ाने की गुंजाइश है।

* * * *